

RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण



Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors
13. Index



By Ankit Avasthi Sir

DRDO ने लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण / DRDO successfully test fired long range hypersonic missile

डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (DRDO) ने शनिवार रात लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया। ओडिशा के तट के पास एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से इसे लॉन्च किया गया, और फ्लाइट ट्रेजेक्टरी की ट्रैकिंग के बाद परीक्षण को सफल घोषित किया गया।

मुख्य बिंदु

- ✓ DRDO ने लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया।
- ✓ लॉन्चिंग ओडिशा के एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से की गई।
- ✓ मिसाइल की रेंज 1500 किलोमीटर से अधिक है।
- ✓ इसकी रफ्तार 6200 किलोमीटर प्रति घंटा है, जो साउंड की स्पीड से 5 गुना तेज है।
- ✓ यह मिसाइल हवा, पानी और जमीन से दुश्मन पर हमला करने में सक्षम है।
- ✓ रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इसे ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह भारत को चुनिंदा देशों के समूह में शामिल करता है।
- ✓ यह परीक्षण भारत की रक्षा क्षमताओं और सैन्य तकनीक में बड़ी उपलब्धि को दर्शाता है।



हाइपरसोनिक मिसाइल क्या है?

हाइपरसोनिक का मतलब ऐसी गति से है जो ध्वनि की गति से कम से कम पांच गुना तेज हो (जिसे मैक-5 भी कहते हैं)। यह लगभग एक मील प्रति सेकंड की गति है। इन मिसाइलों की एक और मुख्य विशेषता उनकी मैनुवरेबिलिटी (दिशा बदलने की क्षमता) है, जो उन्हें बैलिस्टिक मिसाइल से अलग बनाती है। बैलिस्टिक मिसाइल एक निश्चित रास्ते या प्रक्षेपवक्र का पालन करती है।

हाइपरसोनिक मिसाइलों के प्रकार

- ✈️ **हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल्स (HGV):** इन्हें रॉकेट से लॉन्च किया जाता है और यह लक्ष्य तक ग्लाइड (फिसलते हुए) करती हैं।
- ✈️ **हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल (HCM):** ये एयर-ब्रीदिंग हाई-स्पीड इंजन या 'स्क्रेमजेट्स' द्वारा संचालित होती हैं और लक्ष्य को हासिल करने के बाद अपनी गति बनाए रखती हैं।

हाइपरसोनिक मिसाइल की खासियतें

- ✓ **तेज स्पीड और लो ट्रेजेक्टरी:** हाइपरसोनिक मिसाइलें तेज रफ्तार और कम ऊंचाई पर उड़ान भरती हैं।
इन्हें दुनिया के किसी भी रडार से पकड़ पाना लगभग असंभव है।
- ✓ **मिसाइल डिफेंस सिस्टम को चकमा:** दुनिया का कोई भी मिसाइल डिफेंस सिस्टम इन्हें मार गिराने में सक्षम नहीं है।
- ✓ **भारी हथियार ले जाने की क्षमता:** ये मिसाइलें 480 किलोग्राम तक परमाणु या ट्रेडिशनल हथियार ले जा सकती हैं।
परमाणु हथियार रखने वाले देशों के लिए यह बेहद अहम है।
- ✓ **घातक प्रभाव:** अंडरग्राउंड हथियार गोदामों को तबाह करने में ये सबसोनिक क्रूज मिसाइलों से अधिक घातक होती हैं।
- ✓ **हाई स्पीड के कारण इनका विनाशकारी प्रभाव अधिक होता है।**
- ✓ **मेनुरेबल टेक्नोलॉजी:** हाइपरसोनिक मिसाइलें हवा में रास्ता बदलने में सक्षम हैं।
- ✓ **ये चलते-फिरते टारगेट को भी सटीकता से निशाना बना सकती हैं, जिससे बच पाना बेहद कठिन है।**

हाइपरसोनिक मिसाइलों के फायदे

लंबी दूरी और तेज प्रतिक्रिया:

- ✓ इनसे दूर और सुरक्षित ठिकानों पर मौजूद समय-संवेदनशील लक्ष्यों (जैसे सड़क पर चलने वाले मोबाइल मिसाइल सिस्टम) पर हमला किया जा सकता है।
- ✓ जब अन्य साधन उपलब्ध नहीं हों या उनका उपयोग संभव न हो, तब ये महत्वपूर्ण विकल्प बन जाती हैं।

केवल गतिज ऊर्जा का उपयोग:

- ✓ ये मिसाइलें लक्ष्य को नष्ट करने के लिए केवल अपनी गति से उत्पन्न ऊर्जा का उपयोग करती हैं, जिससे जमीन के नीचे बने ठिकानों को भी क्षति पहुंचाई जा सकती है।

कम ऊंचाई पर उड़ान:

- ✓ ये मिसाइलें बैलिस्टिक मिसाइलों की तुलना में कम ऊंचाई पर उड़ती हैं, जिससे इन्हें ट्रैक करना मुश्किल हो जाता है, खासकर सतह-आधारित रडार के माध्यम से।

हाइपरसोनिक मिसाइलों की चुनौतियां

इंजीनियरिंग और भौतिकी की कठिनाइयां:

- ✈️ इतनी तेज गति के कारण घर्षण और वायुरोधी (एयर रेजिस्टेंस) से अत्यधिक गर्मी उत्पन्न होती है।
- ✈️ इन्हें बेहद सटीकता के साथ नियंत्रित करना आवश्यक है।

संचार प्रणाली में परेशानी:

- ✈️ इतनी तेज गति पर मिसाइल को संचालित करने के लिए ऑपरेटर और निर्णयकर्ता के बीच संपर्क बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होता है।

उच्च लागत:

- ✈️ इनका विकास और निर्माण बैलिस्टिक मिसाइलों की तुलना में अधिक महंगा है।

हाइपरसोनिक मिसाइल विकास में देशों की स्थिति

रूस और चीन:

- ✓ ये दोनों देश इस तकनीक में सबसे आगे हैं।
- ✓ रूस ने 2022 में यूक्रेन संघर्ष के दौरान "किनड्राल" हाइपरसोनिक मिसाइल का इस्तेमाल किया, जिससे एक बड़े भूमिगत गोदाम को नष्ट किया गया।

अमेरिका:

- ✓ अमेरिका भी इस क्षेत्र में महत्वाकांक्षी कार्यक्रमों के तहत कई हाइपरसोनिक हथियार विकसित कर रहा है।
- ✓ मई 2023 में, अमेरिकी सेना ने **लॉकहीड मार्टिन** को \$756 मिलियन का अनुबंध दिया है, ताकि "लॉन्ग रेंज हाइपरसोनिक वेपन (LRHW)" विकसित किया जा सके।

अन्य देश:

- ✓ ऑस्ट्रेलिया, भारत, फ्रांस, जर्मनी, दक्षिण कोरिया, उत्तर कोरिया और जापान भी हाइपरसोनिक हथियार के विकास पर काम कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट का नया सर्कुलर: बुधवार और गुरुवार को रेगुलर मामलों की सुनवाई नहीं / Supreme Court's new circular: Regular cases will not be heard on Wednesday and Thursday

सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को एक नया सर्कुलर जारी किया, जिसके अनुसार बुधवार और गुरुवार को रेगुलर सुनवाई वाले मामले सूचीबद्ध नहीं किए जाएंगे।

मुख्य बिंदु

- ✓ मंगलवार, बुधवार और गुरुवार को ट्रांसफर याचिकाएं, बेल के मामले और अन्य केस सूचीबद्ध होंगे।
- ✓ रेगुलर सुनवाई वाले मामले इन दिनों लिस्ट नहीं किए जाएंगे। बल्कि इनकी जगह ट्रांसफर याचिका, बेल केस और दूसरे मामले लिस्ट होंगे।
- ✓ स्पेशल बेंच या आंशिक सुनवाई वाले मामले, चाहे वो मिसलेनियस हों या रेगुलर, इन तीनों दिनों में सूचीबद्ध किए जाएंगे।
- ✓ इन मामलों को लंच के बाद या संबंधित अर्थोरिटी के निर्देशों के अनुसार लिस्ट किया जाएगा।

वर्तमान प्रैक्टिस:

- ✓ नए मामले सोमवार और शुक्रवार को सूचीबद्ध होते हैं, जिन्हें मिसलेनियस डे कहा जाता है।
- ✓ मंगलवार-गुरुवार को रेगुलर सुनवाई के लिए निर्धारित किया गया है, जिसमें मामलों की अंतिम सुनवाई होती है।



सुप्रीम कोर्ट:

भारत के सुप्रीम कोर्ट से जुड़े संवैधानिक प्रावधान (अनुच्छेद 124-147)

- भारत के संविधान के भाग V में अनुच्छेद 124 से 147 तक सुप्रीम कोर्ट से जुड़े प्रावधान दिए गए हैं।
- इनमें सुप्रीम कोर्ट की संरचना, स्वतंत्रता, अधिकार क्षेत्र, शक्तियों और प्रक्रियाओं का उल्लेख है। साथ ही, संसद को यह अधिकार दिया गया है कि वह इन प्रावधानों को व्यवस्थित कर सके।

सुप्रीम कोर्ट की संरचना



- सुप्रीम कोर्ट की शुरुआती संरचना में कुल 8 न्यायाधीश थे, जिसमें एक मुख्य न्यायाधीश (चीफ जस्टिस) शामिल थे।
- अनुच्छेद 124 संसद को यह अधिकार देता है कि वह सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की संख्या को बढ़ा या घटा सकती है।
- संसद ने कई कानून बनाकर न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाई है।
- वर्तमान में, सुप्रीम कोर्ट में कुल 34 न्यायाधीश हैं, जिसमें मुख्य न्यायाधीश भी शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति

- ✓ सुप्रीम कोर्ट के प्रत्येक न्यायाधीश की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा उनकी मुहर और हस्ताक्षर के साथ की जाती है।
- ✓ नियुक्ति से पहले, राष्ट्रपति सुप्रीम कोर्ट और उच्च न्यायालयों के अन्य न्यायाधीशों से परामर्श लेते हैं।
- ✓ एक न्यायाधीश 65 वर्ष की आयु तक अपने पद पर बना रहता है।
- ✓ मुख्य न्यायाधीश के अलावा किसी अन्य न्यायाधीश की नियुक्ति करते समय राष्ट्रपति को मुख्य न्यायाधीश से परामर्श लेना अनिवार्य है।
- दूसरा जज केस (1993): इसमें यह निर्णय हुआ कि राष्ट्रपति के लिए मुख्य न्यायाधीश की सलाह बाध्यकारी होगी।
- तीसरा जज केस (1998): इसमें यह तय किया गया कि मुख्य न्यायाधीश को सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठतम न्यायाधीशों के साथ सलाह-मशविरा करना चाहिए।
- ✓ इस प्रक्रिया को कोलेजियम सिस्टम कहा जाता है।
- ✓ यदि मुख्य न्यायाधीश बिना कोलेजियम से सलाह लिए सिफारिश करते हैं, तो राष्ट्रपति उस सिफारिश को मानने के लिए बाध्य नहीं होते।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बनने की योग्यता

अनुच्छेद 124(3):

- ✓ सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बनने के लिए व्यक्ति को भारतीय नागरिक होना चाहिए। इसके अलावा:
- ✓ व्यक्ति ने किसी उच्च न्यायालय में कम से कम 5 साल न्यायाधीश के रूप में काम किया हो (या दो या अधिक उच्च न्यायालयों में लगातार)।
- ✓ व्यक्ति ने किसी उच्च न्यायालय में कम से कम 10 साल वकील के रूप में प्रैक्टिस की हो (या दो या अधिक उच्च न्यायालयों में लगातार)।
- ✓ राष्ट्रपति की राय में वह व्यक्ति कानून का विशिष्ट ज्ञाता (distinguished jurist) होना चाहिए।

PM मोदी को नाइजीरिया का दूसरा सर्वोच्च सम्मान मिला / PM Modi receives Nigeria's second highest honour

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला अहमद टिनूबू द्वारा देश के दूसरे सर्वोच्च सम्मान 'द ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर' से सम्मानित किया गया।

मुख्य बिंदु:

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नाइजीरिया का दूसरा सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान 'द ग्रैंड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द नाइजर' प्रदान किया गया। नाइजीरियाई राष्ट्रपति बोला अहमद टिनूबू ने सम्मानित किया।
- इससे पहले 1969 में ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ को इस सम्मान से नवाजा गया था।
- पीएम मोदी ने यह सम्मान 140 करोड़ भारतीयों और भारत-नाइजीरिया की मित्रता को समर्पित किया। उन्होंने नाइजीरिया सरकार और जनता का आभार व्यक्त किया।
- प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति भवन में नाइजीरियाई राष्ट्रपति के साथ बैठक की।
- द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा हुई।
- पीएम मोदी ने नाइजीरिया में रह रहे 60,000 से अधिक भारतीयों को दोनों देशों के बीच मजबूत कड़ी बताया।
- उन्होंने भारतीय समुदाय की देखभाल के लिए नाइजीरिया का धन्यवाद किया।
- सम्मान समारोह के बाद पीएम मोदी ने भारतीय डायसपोरा को संबोधित किया।

भारत के लिए नाइजीरिया का दौरा अहम है क्योंकि:

- ✓ पहली यात्रा: भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने 1962 में नाइजीरिया का दौरा किया था।
- ✓ रणनीतिक साझेदारी: पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के समय में भारत और नाइजीरिया के संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा मिला।
- ✓ ऊर्जा की अहमियत: नाइजीरिया का विशाल तेल और गैस भंडार भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करता है।
- ✓ वृद्धि होते व्यापारिक संबंध: 2023-24 में दोनों देशों के बीच 2 लाख करोड़ रुपये का व्यापार हुआ।
- ✓ भारतीय समुदाय: नाइजीरिया में करीब 60,000 भारतीय हैं, जो पश्चिम अफ्रीका में भारतीय प्रवासियों का सबसे बड़ा केंद्र हैं।
- ✓ निवेश बढ़ते क्षेत्र: भारत का अफ्रीका में निवेश खासकर ऊर्जा, खनन, फार्मास्यूटिकल्स और सूचना प्रौद्योगिकी में बढ़ रहा है।

भारत और नाइजीरिया के बीच ट्रेड में गिरावट:

- ✓ 2023-24 में ट्रेड: भारत और नाइजीरिया का ट्रेड वित्त वर्ष 2023-24 में 7.89 बिलियन डॉलर रहा।
- ✓ पिछला वर्ष (2022-23): यह ट्रेड 11.8 अरब डॉलर था।
- ✓ 2021-22 में ट्रेड: दोनों देशों के बीच ट्रेड 15 बिलियन डॉलर तक पहुंचा था।
- ✓ गिरावट: पिछले दो वर्षों में ट्रेड में लगभग 47% की गिरावट आई है।
- ✓ 2020-21 में ट्रेड: भारत और नाइजीरिया के बीच ट्रेड 8.80 बिलियन डॉलर था, जिसमें अगले साल 66% का इजाफा हुआ था।

नाइजीरिया के बारे में:

स्थान: नाइजीरिया अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित है और इसे "अफ्रीका का दैत्य" कहा जाता है।

सीमाएँ:

- उत्तर: नाइजर
- पूर्व: चाड और कैमरून
- दक्षिण: गिनी की खाड़ी (अटलांटिक महासागर)
- पश्चिम: बेनिन



स्वतंत्रता: नाइजीरिया ने 1960 में ब्रिटेन से स्वतंत्रता प्राप्त की।

क्षेत्रफल: नाइजीरिया का क्षेत्रफल लगभग 9.24 लाख वर्ग किलोमीटर है।

जनसंख्या: नाइजीरिया अफ्रीका का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है।

राजधानी: अबुजा

भाषा: अंग्रेजी आधिकारिक भाषा है, लेकिन यहाँ पर हौसा, योरुबा, इग्बो और इजाव जैसी स्थानीय भाषाएँ भी बोली जाती हैं।

मुद्रा: नाइरा (NGN)

राष्ट्रपति: नाइजीरिया के वर्तमान राष्ट्रपति, श्री Bola Ahmed Tinubu हैं।

भौगोलिक विविधता: नाइजीरिया में विभिन्न प्रकार की जलवायु पाई जाती है, जो शुष्क से लेकर उमस भरी समृद्ध उष्णकटिबंधीय तक होती है।

जलविकास:

- प्रमुख बेसिन: नाइजर-बेनी, लेक चाड और गिनी की खाड़ी
- प्रमुख नदियाँ: नाइजर नदी (जिससे देश का नाम पड़ा) और इसकी सबसे बड़ी सहायक नदी बेनी नदी।

पहाड़ी श्रृंखला: कैमरून हाइलैंड्स।

प्राकृतिक संसाधन: नाइजीरिया में विशाल पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के भंडार हैं।

घरेलू प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंक (D-SIBs) / Domestic Systemically Important Banks (D-SIBs)

हाल ही में, भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने भारतीय स्टेट बैंक (SBI), HDFC बैंक और ICICI बैंक को घरेलू प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंक (D-SIBs) के रूप में बनाए रखा है।

- ✓ RBI ने SBI और ICICI बैंक को 2015 और 2016 में D-SIB के रूप में नामित किया था, और HDFC बैंक 2017 में इनके साथ जुड़ा था।



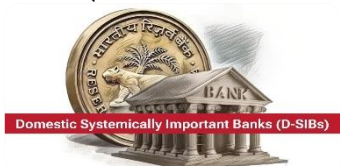
D-SIBs के बारे में मुख्य बिंदु

परिभाषा:

D-SIBs वे बैंक हैं जिन्हें घरेलू अर्थव्यवस्था में उनके आकार, जटिलता और वित्तीय प्रणाली से उनके जुड़ाव के कारण 'बहुत बड़े होने के कारण असफल नहीं हो सकते' (Too Big to Fail, TBTF) माना जाता है।

D-SIBs क्यों बनाए गए हैं?

- कुछ बैंक अपने आकार, जटिलता, प्रतिस्थापन की कमी और वित्तीय प्रणाली से जुड़ाव के कारण प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बन जाते हैं।
- यदि ये बैंक असफल होते हैं, तो यह बैंकिंग प्रणाली और अर्थव्यवस्था को बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे बैंकों को 'बहुत बड़े होने के कारण असफल नहीं हो सकते' (Too Big to Fail - TBTF) माना जाता है।
- इन बैंकों से यह उम्मीद होती है कि संकट के समय सरकार उन्हें समर्थन देगी। लेकिन यह उम्मीद जोखिम लेने को बढ़ावा देती है, बाजार अनुशासन को कम करती है, और भविष्य में संकट आने की संभावना बढ़ाती है।
- इसलिए, RBI ने इन बैंकों पर अतिरिक्त नियम लागू किए हैं ताकि जोखिमों को कम किया जा सके।



Domestic Systemically Important Banks (D-SIBs)

महत्व:

इन बैंकों को अतिरिक्त नियामक उपायों के तहत रखा जाता है जैसे कि पूंजी बफर, तनाव परीक्षण, और रिकवरी और रेजोल्यूशन योजना, ताकि वे वित्तीय संकटों का सामना कर सकें।

बकेट संरचना:

D-SIBs को उनके प्रणालीगत महत्व के आधार पर विभिन्न बकेटों में वर्गीकृत किया जाता है।

- बकेट 1 सबसे कम जोखिम वाला होता है, जबकि बकेट 4 उच्चतम जोखिम वाला होता है।
- RBI ने SBI को बकेट 4, HDFC बैंक को बकेट 3, और ICICI बैंक को बकेट 1 में रखा है।

पूंजी आवश्यकताएँ:

D-SIBs को उनके बकेट के आधार पर अतिरिक्त सामान्य इक्विटी पूंजी (CET1) रखने की आवश्यकता होती है।

- SBI को अतिरिक्त 0.80% CET1 की आवश्यकता है,
- HDFC बैंक को 0.40%,
- और ICICI बैंक को 0.20% की आवश्यकता है।

चयन प्रक्रिया:

RBI D-SIBs की पहचान करने के लिए दो चरणों में प्रक्रिया अपनाता है।

- **नमूना चयन:** केवल वे बैंक जो प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण होते हैं और जिनकी संपत्तियाँ GDP के 2% से अधिक होती हैं, उनका मूल्यांकन किया जाता है।
- **सिस्टम की महत्वपूर्णता का आकलन:** कई संकेतकों जैसे कि प्रतिस्थापन की कमी, आपसी संबंध आदि के आधार पर प्रत्येक बैंक का एक समग्र स्कोर तैयार किया जाता है, और जो बैंकों का स्कोर एक निश्चित सीमा से अधिक होता है, उन्हें D-SIB के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

D-SIBs के लिए रूपरेखा:

RBI ने जुलाई 2014 में D-SIBs को अच्छे पूंजीकरण के लिए एक रूपरेखा जारी की थी ताकि वे नुकसान सहन कर सकें और असफल होने पर प्रणालीगत व्यवधान को रोक सकें।

वैश्विक प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण बैंक (G-SIBs):

G-SIBs वे बड़े अंतर्राष्ट्रीय बैंक हैं जिनकी असफलता का वैश्विक प्रभाव हो सकता है।

- G-SIBs की पहचान करने के लिए वित्तीय स्थिरता बोर्ड (FSB) और बेसल समिति (BCBS) राष्ट्रीय अधिकारियों के साथ काम करते हैं।

अमेरिका ने भारत को लौटाई 1,440 प्राचीन धरोहरें / America returned 1,440 ancient heritages to India

अमेरिका ने भारत को 1,440 प्राचीन वस्तुएं वापस लौटाई हैं, जिनकी कुल कीमत 84 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। इनमें राजस्थान की तनेसर माता और मध्य प्रदेश से लूटी गई देव नर्तकी की दुर्लभ मूर्तियां भी शामिल हैं।

मुख्य बिंदु: प्राचीन मूर्तियों की वापसी

1. भारत को लौटी सांस्कृतिक धरोहर:

- ✓ अमेरिका ने 1,440 प्राचीन वस्तुएं भारत को लौटाईं, जिनकी कीमत 84 करोड़ रुपये से अधिक है।
- ✓ इनमें मध्य प्रदेश के मंदिर से लूटी गई बलुआ पत्थर की देव नर्तकी की मूर्ति और राजस्थान के तनेसरा-महादेव गांव से तनेसर देवी की मूर्ति शामिल हैं।

2. विशेष विवरण:

- ✓ **देव नर्तकी की मूर्ति:** 1980 के दशक में लूटी गई, चोरों ने इसे दो हिस्सों में बांटकर लंदन तस्करी की।
- ✓ **तनेसर देवी की मूर्ति:** 1960 के दशक में राजस्थान से तस्करी की गई।

3. जुलाई में शुरू हुई पहल:

- ✓ भारत-अमेरिका ने जुलाई 2024 में अवैध व्यापार रोकने और चोरी हुई प्राचीन वस्तुओं की वापसी के लिए सहयोग शुरू किया।

4. सितंबर 2024 में वापस की गई वस्तुएं:

- ✓ अमेरिका ने 297 प्राचीन वस्तुएं लौटाईं, जिनमें से कुछ 4,000 साल पुरानी हैं।

5. मैनहट्टन जिला अटॉर्नी की भूमिका:

- ✓ अटॉर्नी एल्विन एल. ब्रैग के कार्यकाल में 30 से अधिक देशों से 2,100 पुरावशेष बरामद किए गए, जिनकी कुल कीमत 23 करोड़ अमेरिकी डॉलर है।
- ✓ उन्होंने भारतीय सांस्कृतिक विरासत को बचाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

भारत-अमेरिका सांस्कृतिक सहयोग: सांस्कृतिक धरोहर की वापसी

1. सांस्कृतिक समझ और आदान-प्रदान:

- विदेश मंत्रालय ने कहा कि हाल के वर्षों में भारत-अमेरिका संबंधों में सांस्कृतिक धरोहर की वापसी एक महत्वपूर्ण पहलू बन गया है।

2. तस्करी और चोरी की गई वस्तुओं की वापसी:

- 2016 से अमेरिकी सरकार ने बड़ी संख्या में तस्करी या चोरी हुई भारतीय पुरावशेषों की वापसी में मदद की है।

3. प्रमुख घटनाएं:

- **जून 2016:** प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के दौरान 10 पुरावशेष लौटाए गए।
- **सितंबर 2021:** 157 पुरावशेष लौटाए गए।
- **जून 2023:** 105 पुरावशेष भारत को वापस किए गए।



संयुक्त राज्य अमेरिका (USA): एक परिचय

1. स्थान और क्षेत्रफल

संयुक्त राज्य अमेरिका (United States of America) उत्तरी अमेरिका महाद्वीप में स्थित है। यह क्षेत्रफल के अनुसार विश्व का तीसरा सबसे बड़ा देश है।

2. राजनैतिक व्यवस्था

- यह एक संघीय गणराज्य (Federal Republic) है।
- इसमें 50 राज्य (States) और एक संघीय जिला (Federal District) है, जिसे वाशिंगटन, डी.सी. कहते हैं।

3. राजधानी और प्रमुख शहर

- राजधानी: वाशिंगटन, डी.सी.
- प्रमुख शहर: न्यूयॉर्क, लॉस एंजेलिस, शिकागो, ह्यूस्टन, सैन फ्रांसिस्को।

4. जनसंख्या

- अमेरिका की जनसंख्या लगभग 386,118,741 करोड़ (2024 तक) है, जो इसे जनसंख्या के अनुसार तीसरा सबसे बड़ा देश बनाती है।

5. अर्थव्यवस्था

- अमेरिका विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।
- यह मुख्य रूप से सूचना प्रौद्योगिकी (Information Technology), वित्त (Finance), और विनिर्माण (Manufacturing) में अग्रणी है।

भारत ने COP29 में जलवायु वित्त और शमन कार्य में विकसित देशों की अनिच्छा पर असंतोष व्यक्त किया / India expresses dissatisfaction over reluctance of developed countries on climate finance and mitigation action at COP29

अजरबैजान की राजधानी बाकू में जारी कॉप-29 सम्मेलन में भारत ने विकसित देशों पर गंभीरता की कमी का आरोप लगाते हुए विकासशील देशों की जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में वित्तीय और तकनीकी मदद की आवश्यकता पर जोर दिया।

COP29: भारत ने कहा कि जिन विकसित देशों के पास जलवायु कार्रवाई करने की सबसे बड़ी क्षमता है, उन्होंने लगातार अपने लक्ष्य बदले, जलवायु कार्रवाई में देरी की और वैश्विक कार्बन बजट का बहुत बड़ा हिस्सा अपने लिए इस्तेमाल किया।

कॉप-29 सम्मेलन में भारत के मुख्य बिंदु:



- **विकसित देशों पर नाराजगी:** भारत ने आरोप लगाया कि विकसित देश जलवायु परिवर्तन पर गंभीर चर्चा से बच रहे हैं और बार-बार अपने लक्ष्यों को बदलते रहे हैं।
- **विकासशील देशों की वित्तीय आवश्यकता:** भारत ने जोर देकर कहा कि बिना वित्तीय और तकनीकी सहायता के, विकासशील देशों के लिए जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटना असंभव है।
- **मिटिगेशन वर्क प्रोग्राम का उद्देश्य:** भारत ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य देशों की मदद करना है, न कि उन्हें दंडित करना। यह हर देश की विशेष परिस्थितियों और जरूरतों का सम्मान करना चाहिए।
- **ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पर फोकस:** भारत ने विकसित देशों को ग्रीनहाउस गैसों के ऐतिहासिक उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार ठहराया और कहा कि उनके पास अधिक संसाधन और क्षमता है, फिर भी वे कार्रवाई में देरी कर रहे हैं।
- **विकासशील देशों की सीमित क्षमता:** भारत ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के सबसे बुरे प्रभावों का सामना विकासशील देश कर रहे हैं, लेकिन उनके पास उबरने या अनुकूलित होने की पर्याप्त क्षमता नहीं है।
- **कार्यवाही में रुकावट:** भारत ने शिकायत की कि महत्वपूर्ण मुद्दों पर कोई प्रगति नहीं हुई है और विकासशील देशों को पर्याप्त चर्चा और कार्रवाई का अवसर नहीं मिल रहा है।
- **वैश्विक कार्बन बजट:** भारत ने आरोप लगाया कि विकसित देशों ने वैश्विक कार्बन बजट का बड़ा हिस्सा अपने लिए उपयोग कर लिया है, जिससे अन्य देशों के लिए सीमित विकल्प बचे हैं।

कार्बन बजट (Carbon Budget)

कार्बन बजट का परिचय

कार्बन बजट वह सीमा है, जिसके तहत पूरी मानवता को ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन करना चाहिए, ताकि वैश्विक तापमान वृद्धि को प्री-इंडस्ट्रियल स्तर की तुलना में 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखा जा सके।

- ✓ महत्व: यह पेरिस समझौते (Paris Agreement) के तहत निर्धारित किया गया है।

कार्बन बजट कैसे काम करता है?

- ✈ कुल उत्सर्जन सीमा तय की जाती है, जैसे एक साल या एक दशक के लिए।
- ✈ इस सीमा को देशों या क्षेत्रों में बाँटा जाता है।
- ✈ ऐतिहासिक उत्सर्जन
- ✈ जनसंख्या
- ✈ आर्थिक गतिविधियों के आधार पर



भारत का योगदान और स्थिति:

- ✓ **वार्षिक उत्सर्जन:** भारत का वार्षिक उत्सर्जन चीन, अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे देशों से काफी कम है।
- ✓ **वैश्विक उत्सर्जन में हिस्सा:** 1850 से 2019 तक, भारत का हिस्सा कुल वैश्विक उत्सर्जन में 4% से कम है।
- ✓ **प्रति व्यक्ति उत्सर्जन (Per Capita Emission):** भारत का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन: 2.4 tCO₂e (टन कार्बन डाइऑक्साइड समकक्ष)।
- ✓ **वैश्विक औसत:** 6.3 tCO₂e।

भारत की रणनीति (भारत का INDC - Intended Nationally Determined Contribution):

- ✈ **उत्सर्जन कम करने का लक्ष्य:** 2005 के स्तर की तुलना में 2030 तक जीडीपी की उत्सर्जन तीव्रता में 45% की कमी।
- ✈ **स्वच्छ ऊर्जा का लक्ष्य:** 2030 तक कुल स्थापित विद्युत क्षमता का 50% गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त करना।
- ✈ **पेरिस जलवायु समझौता (2015):** वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने पर सहमति।
- ✈ **कोपेनहेगन जलवायु वार्ता (2009):** विकसित देशों ने विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए 2020 तक प्रति वर्ष 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर प्रदान करने का वादा किया था।

73वीं मिस यूनिवर्स / 73rd Miss Universe

73वीं मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता 17 नवंबर को समाप्त हुई, जिसमें 21 वर्षीय **विक्टोरिया क्जेयर थेइलविग** ने **डेनमार्क** के लिए ताज जीता। यह पहली बार है जब किसी डेनिश प्रतियोगी ने मिस यूनिवर्स का खिताब जीता है।

- ✓ प्रतियोगिता में 130 कंटेस्टेंट्स ने 125 देशों से हिस्सा लिया था।
- ✓ **भारत की रिया सिंघा** टॉप 12 में जगह नहीं बना पाई।
- ✓ रिया सिंह इससे पहले इसी साल मिस यूनिवर्स इंडिया ब्यूटी पेजेंट की भी विजेता रहीं थीं।

✦ **आयोजन:** मेक्सिको

✦ **संस्करण:** 73 वीं

✦ **विजेता:** क्जेयर थेइलविग



मिस यूनिवर्स 2024: शीर्ष 5 फाइनलिस्ट

मेक्सिको में आयोजित 73वीं मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में शीर्ष 5 फाइनलिस्टों की घोषणा की गई। ये देश **मेक्सिको, नाइजीरिया, थाईलैंड, वेनेजुएला, और डेनमार्क** थे।

विक्टोरिया केया थीलविग कौन हैं?

जीवन परिचय:

- ✓ विक्टोरिया केया थीलविग का जन्म **2003** में डेनमार्क के **हेरलेव** क्षेत्र में हुआ।
- ✓ वह कोपेनहेगन के एक शांत उपनगर में पली-बढ़ीं।
- ✓ उन्होंने **लिंग्बी हैंडल्सजिम्नैजियम** से व्यवसाय और विपणन में बैचलर्स की डिग्री प्राप्त की।
- ✓ विक्टोरिया एक **पेशेवर डांसर** भी हैं।

करियर:

शुरुआत:

- ✓ विक्टोरिया ने 2021 में पहली बार **मिस डेनमार्क** प्रतियोगिता में हिस्सा लिया।
- ✓ 32 प्रतियोगियों के बीच वह **तीसरे स्थान** पर रहीं।
- ✓ इसके बावजूद उन्हें **मिस ग्रैंड डेनमार्क** का खिताब दिया गया।
- ✓ विक्टोरिया ने इंडोनेशिया में **मिस ग्रैंड इंटरनेशनल 2022** में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया।
- ✓ 67 प्रतियोगियों को पीछे छोड़ते हुए उन्होंने **19 साल की उम्र में यह खिताब जीता**।
- ✓ इसके बाद उन्हें **मिस यूनिवर्स** में डेनमार्क का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया।

मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता

मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता हर साल होने वाली एक अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता है। इसे "बिग फोर" अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिताओं में गिना जाता है, जिनमें मिस वर्ल्ड, मिस इंटरनेशनल, और मिस अर्थ भी शामिल हैं।

मुख्य बातें:

आयोजनकर्ता:

यह प्रतियोगिता **मिस यूनिवर्स ऑर्गनाइजेशन (MUO)** द्वारा आयोजित की जाती है, जो विभिन्न संस्कृतियों, परंपराओं और धर्मों का सम्मान करती है।

महिलाओं के लिए मंच:

यह महिलाओं को अपनी **कहानियां साझा करने** और समाज में **सकारात्मक प्रभाव डालने** का एक सुरक्षित और सशक्त मंच प्रदान करती है।

उद्देश्य:

यह प्रतियोगिता केवल शारीरिक सुंदरता पर नहीं, बल्कि महिलाओं की **बुद्धिमत्ता, आत्मविश्वास और सामाजिक जिम्मेदारी** पर भी जोर देती है।

पहली मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता कब हुई?

- ✦ पहली मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता **1952** में हुई थी। इसे लेकर कुछ मुख्य बातें इस प्रकार हैं:

सौंदर्य प्रतियोगिताओं का इतिहास:

सौंदर्य प्रतियोगिताएं लंबे समय से होती आ रही हैं, लेकिन 1900 के दशक में अमेरिका में औपचारिक और बड़े पैमाने पर ऐसी प्रतियोगिताएं शुरू हुईं।

मिस यूनिवर्स की शुरुआत:

मिस यूनिवर्स की शुरुआत मिस अमेरिका और उसके स्पॉन्सर **पैसिफिक निटिंग मिल्स** के बीच हुए विवाद से हुई।

विवाद की वजह:

1951 में मिस अमेरिका विजेता **योलांडे बेटबीज** ने धार्मिक मान्यताओं के कारण **स्विमसूट पहनकर फोटो खिंचवाने से मना कर दिया**।

नया रास्ता:

पैसिफिक निटिंग मिल्स ने इस घटना के बाद मिस अमेरिका को स्पॉन्सर करना बंद कर दिया और 1952 में नई प्रतियोगिताएं **मिस यूनिवर्स और मिस यूएसए** की स्पॉन्सरशिप शुरू की।

भारतीय ग्रिड के जरिये नेपाल से बांग्लादेश को बिजली निर्यात शुरू

भारत, बांग्लादेश और नेपाल ने भारतीय ग्रिड के माध्यम से पहली बार **त्रिपक्षीय बिजली लेन-देन** की शुरुआत की। यह कदम दक्षिण एशिया में **एकीकृत बिजली बाजार** बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

समझौते के बारे में बिजली समझौते:



- ✓ अक्टूबर 2024 में, एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम (NVTN), नेपाल विद्युत प्राधिकरण और बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड के बीच बिजली बिक्री समझौते पर हस्ताक्षर हुए।

बिजली निर्यात का विवरण:

- ✓ यह लेन-देन नेपाल से बांग्लादेश को 40 मेगावाट बिजली का निर्यात करता है।
- ✓ बिजली भारत के माध्यम से नेपाल से बांग्लादेश भेजी जा रही है।

महत्व:

- ✓ यह पहला त्रिपक्षीय बिजली लेन-देन है जो **भारतीय ग्रिड** के माध्यम से हुआ।
- ✓ यह **क्षेत्रीय बिजली कनेक्टिविटी** को मजबूत करेगा और सभी देशों को लाभ देगा।
- ✓ यह **भारत, नेपाल और बांग्लादेश** के बीच ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देगा।

भारत की ऊर्जा व्यापार महत्वाकांक्षाएं

ऊर्जा व्यापार का केंद्र:

- भारत का लक्ष्य दक्षिण एशिया में **बिजली और परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों** का प्रमुख व्यापार केंद्र बनना है।
- इसमें श्रीलंका को **LNG (तरलीकृत प्राकृतिक गैस)** की आपूर्ति और **समुद्र के नीचे बिजली ट्रांसमिशन लाइन** पर काम शामिल है।

द्विपक्षीय समझौते:

- भारत और पड़ोसी देशों के बीच बिजली व्यापार 2014 के **SAARC ऊर्जा सहयोग फ्रेमवर्क** के तहत द्विपक्षीय समझौतों के माध्यम से हो रहा है।

प्रमुख एजेंसियां:

- **एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम (NVTN)** और **PTC इंडिया** इस क्रॉस-बॉर्डर बिजली व्यापार की देखरेख कर रहे हैं।
- 2021 से, **इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (IEX)** नेपाल के साथ बिजली व्यापार की सुविधा प्रदान कर रहा है।

नीति और पहल

नीतियों में सुधार:

- 2023 में, भारत ने **स्पॉट पावर ट्रेडिंग** के लिए **मार्केट कपलिंग** और बिजली के आयात/निर्यात के लिए **नई गाइडलाइंस** जारी कीं।
- यह क्षेत्रीय ऊर्जा सहयोग और ग्रिड की स्थिरता को बढ़ाने के लिए है।

OSOWOG पहल:

- भारत **OSOWOG (वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड)** परियोजना को बढ़ावा दे रहा है।
- इसका उद्देश्य दक्षिण-पूर्व एशिया से यूरोप तक एक विशाल ग्रिड बनाकर **नवीकरणीय ऊर्जा व्यापार** करना है।
- भारत **सऊदी अरब, यूएई और सिंगापुर** के साथ मिलकर इस ग्रिड ढांचे पर काम कर रहा है।
- यह भाग लेने वाले देशों को कम लागत पर **नवीकरणीय ऊर्जा** प्रदान करेगा।

नेपाल टू बांग्लादेश
बिजली पहुंचाएगा भारत

"कोइमा" नामक की मछली की प्रजाति की खोज

हाल ही में एक शोध में **"कोइमा"** नामक एक नई मीठे पानी की मछली की प्रजाति की खोज हुई है, जो **पश्चिमी घाट में पाई जाती है**। यह खोज इस क्षेत्र की **समृद्ध जैव विविधता** और नए शोध की आवश्यकता को दर्शाती है। यह अध्ययन **केरल विश्वविद्यालय ऑफ फिशरीज एंड ओशन स्टडीज** और **शिव नादर इंस्टीट्यूशन ऑफ एमिनेंस** के वैज्ञानिकों ने किया। उनकी रिपोर्ट **जर्नल जूटाक्स** में प्रकाशित हुई है। **नाम "कोइमा" का महत्व**

स्थानीय भाषा से प्रेरित:

- ✓ "कोइमा" नाम मलयालम भाषा से लिया गया है, जिसमें इसका मतलब **लोचेस** है।
- ✓ यह नाम स्थानीय संस्कृति और ज्ञान को सम्मान देता है।
- ✓ यह खोज पश्चिमी घाट की जलीय जैव विविधता को बेहतर तरीके से समझने और संरक्षित करने की अपील करती है।

कोइमा की विशेषताएं

अनूठा रंग:

- ✓ कोइमा का शरीर **पीले-भूरे रंग** का होता है।
- ✓ इसकी पार्श्व रेखा (lateral line) पर **काले धब्बों की एक पंक्ति** होती है।
- ✓ इसके **पंख पारदर्शी (hyaline)** होते हैं और इसकी पीठ पर कोई स्थायी धारियां नहीं होतीं।
- ✓ ये गुण इसे **नेमाचिलिडाई परिवार** की अन्य मछलियों से अलग बनाते हैं।



पश्चिमी घाट का महत्व

जैव विविधता का केंद्र:

- पश्चिमी घाट को **जैव विविधता हॉटस्पॉट** माना जाता है, जहां कई स्थानीय प्रजातियां पाई जाती हैं।
- विशेष रूप से **मीठे पानी की मछलियां** इस क्षेत्र की जैव विविधता का अहम हिस्सा हैं।
- "कोइमा" की खोज से पता चलता है कि इस क्षेत्र की **जलीय जीवन** को और गहराई से समझने और संरक्षित करने की जरूरत है।

टैक्सोनोमिक पुनर्विचार की आवश्यकता

प्रजातियों का पुनर्मूल्यांकन:

- शोधकर्ताओं ने बताया कि मीठे पानी की कई मछलियों की **सही पहचान** के लिए **टैक्सोनोमिक पुनरीक्षण** बेहद जरूरी है।
- छोटी प्रजातियों और उनके शरीर की भिन्नताओं को अक्सर नजरअंदाज किया जाता है।
- **नेमाचिलिड लोचेस** जैसी प्रजातियों की सही पहचान जरूरी है।

कोइमा का आवास

कोइमा रेमादेवी:

- यह तेज बहाव वाले नदियों में **चट्टानी सतहों** के बीच रहती है।
- इसे अब तक सिर्फ **साइलेंट वेली नेशनल पार्क** की **कुंती नदी** में पाया गया है।

कोइमा मोनिलिस:

- यह **कावेरी नदी** की कई सहायक नदियों में पाई जाती है।
- यह 350 से 800 मीटर ऊंचाई के बीच विभिन्न माइक्रो-हैबिटेट्स में रहती है।

शोध की प्रक्रिया

- ✓ शोधकर्ताओं ने **कुंती, भवानी, मोयर, काबिनी और पांबर** नदियों से मछलियों के नमूने एकत्र किए।
- ✓ उन्होंने **आकृतिक (morphological)** और **आनुवंशिक (genetic)** गुणों का गहराई से अध्ययन किया।